कछुआ और ....

चित्रः वासवी ओझा

चित्रों की यह लड़ी तुम्हें कैसी लगी? चित्रकार ने अपने मन की एक कहानी को सुनाने के लिए छह चित्र बनाए हैं। इन छह चित्रों को मिलाकर तुम फिर से एक कहानी बना सकते हो। तुम्हारी अपनी कहानी। कहानी कछुए और ..... की। पाँच अच्छी कहानियों को अगले अंक में प्रकाशित करेंगे। और इन कहानियों के लेखकों को मिलेंगी मज़ेदार पाँच किताबें! कहानी भेजने के लिए यह रहा हमारा पता:

चकमक: ई-10, शंकर नगर, शिवाजी नगर, बीडीए कॉलोनी, भोपाल- 16

फोन - 2550976, 2671017